आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 20.04.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा में स्वच्छता बनाए रखने की श्रद्धालुओं से अपील की।
- कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने चमोली जिले में यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। सुधारीकरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।
- सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद के 86 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के दल ने एसडीआरएफ वाहिनी देहरादून में आपदा प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी ली।
- पौड़ी गढ़वाल में बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक जन–जागरूकता अभियान के तहत बारह सौ से अधिक छात्र–छात्राओं को जागरुक किया गया।

पर्यटन मंत्री अपील

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा के दौरान स्वच्छता, अनुशासन और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की श्रद्धालुओं से अपील की है। धामों की पवित्रता बनाए रखने पर जोर देते हुए तीर्थयात्रियों से अपील की गई है कि वे प्लास्टिक और अन्य कचरा निर्धारित स्थानों पर ही डालें तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें। पर्यटन मंत्री ने एक बयान में कहा कि सरकार की ओर से यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पंजीकरण, स्वास्थ्य परीक्षण और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने तीर्थयात्रियों से आग्रह किया कि वे यात्रा के दौरान क्यूआर कोड युक्त पंजीकरण पास और आधार कार्ड अनिवार्य रूप से साथ रखें। 50 वर्ष से अधिक आयु या बीमार व्यक्तियों को यात्रा से पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि यात्रा मार्गों पर 108 एम्बुलेंस सेवाएं तैनात की गई हैं, ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

कैबिनेट मंत्री निरीक्षण

कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने चमोली जिले में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कमेड़ा से बदरीनाथ धाम तक राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण करते हुए यात्रा को सुगम, सुरक्षित और यवस्थित बनाने के लिए सभी कार्यदायी संस्थाओं को कार्यों में तेजी लाने तथा गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने पर जोर दिया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान कैबिनेट मंत्री ने कमेड़ा, नंदप्रयाग, पागलनाला, भनेरपानी और टंगड़ी के भूस्खलन क्षेत्र में एन.एच.आई.डी.सी.एल द्वारा किए जा रहे मार्ग सुधारीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इन संवेदनशील स्थलों पर कार्यों को युद्ध स्तर पर पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही सीमा सड़क संगठन के अधिशासी अभियंता को मारवाड़ी के आगे हाथीपहाड़ क्षेत्र सहित अन्य क्षतिग्रस्त स्थलों पर सड़कों के त्वरित सुधारीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर शासन–प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

बस सेवा

उत्तराखण्ड परिवहन निगम ने नैनीताल से वाया भवाली होते हुए मुक्तेश्वर के लिए दैनिक बस सेवा शुरू कर दी है। नैनीताल–उधमसिंह नगर क्षेत्र के सांसद अजय भट्ट ने हल्द्वानी के रोडवेज़ बस अड्डे से भवाली डिपो की इस बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। श्री भट्ट ने कहा कि आने वाले समय में अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में जहां आवागमन के साधान नहीं हैं, वहां भी बस सेवाएं शुरू की जाएंगी।

गौरतलब है कि 38 सीटों वाली यह बस रोज़ाना दोहपहर सवा दो बजे नैनीताल से मुक्तेश्वर को प्रस्थान करेगी और मुक्तेश्वर से रोज़ाना सुबह सात बजे नैनीताल के लिए चलेगी।

आपदा प्रबंधन

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में प्रशिक्षण ले रहे 78 आर.आर. बैच के 86 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के दल ने देहरादून के जॉलीग्रांट स्थित एसडीआरएफ वाहिनी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान एसडीआरएफ के सेनानायक ने प्रशिक्षु अधिकारियों को एसडीआरएफ की कार्यप्रणाली, संरचना और आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ, राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और भारतीय सेना के साथ समन्वय स्थापित कर राहत व बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से अंजाम देती है। प्रशिक्षु अधिकारियों को उत्तराखंड में घटित प्रमुख आपदाओं जैसे– सिल्क्यारा टनल रेस्क्यू, धाराली और रेणी घटनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। इसके अलावा एसडीआरएफ के कार्मिकों ने आपदा के दौरान उपयोग में लाए जाने वाले आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन भी किया, जिससे प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी मिली।

बाल विवाह/जागरुकता

पौड़ी गढ़वाल में बाल विवाह रोकथाम के लिए व्यापक जन–जागरूकता अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के संयुक्त तत्वावधान में विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को उनके अधिकारों, संबंधित कानूनों और सुरक्षा तंत्र के प्रति जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत अब तक बारह सौ से अधिक छात्र–छात्राओं को जागरूक किया जा चुका है। अभियान के पहले चरण में यमकेश्वर और पाबौ क्षेत्र के विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर बाल विवाह निषेध अधिनियम तथा इसके दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। दूसरे चरण में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, श्रीनगर और सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, जानकीनगर कोटद्वार में बाल विवाह, पॉक्सो अधिनियम व किशोर न्याय अधिनियम पर संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा यमकेश्वर के राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, थलनदी और कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, त्रिपालीसैंण में छात्राओं को बाल अधिकारों, सुरक्षा सेवाओं व कानूनों की जानकारी देते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति है, जिसे समाप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही इस कुप्रथा के उन्मूलन का सबसे प्रभावी माध्यम है।

सघन चैकिंग अभियान

उत्तर भारत में प्रसिद्ध चम्पावत जिले के मां पूर्णागिरि मेले में इन दिनों श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस ने रात्रि गश्त बढ़ा दी है। पुलिस उपाधीक्षक विमल कुमार ने बताया कि पूर्णागिरी मेले के दौरान इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि गर्मी बढ़ने के चलते श्रद्धालु रात में अधिक संख्या में पहुंच रहे हैं, जिसे देखते हुए मेला क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि पुलिस द्वारा जगह–जगह सघन चैकिंग कर संदिग्ध लोगों की पहचान कर रही है। इसके अलावा नियम विरुद्ध वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई जा रही है। साथ ही उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

फिट उत्तराखंड पुलिस अभियान

"फिट उत्तराखंड पुलिस अभियान" के तहत पुलिस लाइन, अल्मोड़ा में विभिन्न जिले के पुलिस कार्मिकों का प्रशिक्षण चल रहा है। इसके तहत कल 17 किलोमीटर ट्रैक आयोजित किया गया, जिसमें पुलिस कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक और निर्धारित मानकों के अनुरूप ट्रैक पूरा किया। इस दौरान अनुशासन और सुरक्षा के सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए। इस आयोजन का उद्देश्य कार्मिकों की शारीरिक क्षमता, स्वास्थ्य और कार्यकुशलता में वृद्धि करना है।